खबर संक्षेप

माधोपुर के दिव्यांग छात्रावास पहुँचे कलेक्टर श्री मिश्रा

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने ग्राम माधोपुर स्थित दिव्यांग छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में रह रहे दिव्यांग बच्चों से चर्चा की। छात्रावास की डोरमेट्री, मेश तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अस्थिबाधित बच्चों से उन्होंने नास्ता, भोजन, रात्रि विश्राम आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उपस्थित अधिकारियों को उन्होंने निर्देशित किया कि छात्रावास के बाहरी हिस्से में फेंसिंग कराएं। फेंसिंग वाले क्षेत्र में गार्डन विकसित करें। कलेक्टर तथा सीईओ ने दिव्यांग विद्यार्थियों को चॉकलेट और बिस्किट का वितरण भी किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, एसडीएम बिछिया श्रीमती सोनाली देव, सीईओ जनपद पंचायत बिछिया श्री रमेश मंडावी सहित संबंधित उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 87 आवेदकों की समस्या

मण्डला। जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने 87 आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए उनके समुचित निराकरण की पहल की। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से संबंधित आवेदनों का सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण करें। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, मंडला एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे। सम्पन्न हुई जनसुनवाई में निर्माण कार्य, मजदूरी भुगतान, ऑनलाईन खसरा में नाम अपडेट सहित अनेक विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए।

पार्किंग तथा यातायात व्यवस्था को भविष्य के दृष्टिकोण से सुव्यवस्थित करें- कलेक्टर

नगर के सौन्दर्यीकरण को लेकर बैठक

*** बारात घरों पर कार्यवाही के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नगरपालिका क्षेत्र मण्डला में जहां एक ओर पार्किंग की समस्या वर्षो से बनी हुई है तो वहीं अतिक्रमण भी यातायात के लिये दुखदायी हो गया है। बार-बार कार्यवाही के बावजूद दुकानों के बाहर फैला सामान और दुकान बढ़ाने की प्रवृत्ति में लगाम लगती नहीं नजर आ रही नगर की जो मूलभूत समस्यायें हैं वे आज भी कायम है प्रत्येक परिषद चुनाव के दौरान बड़ी-बड़ी बातें तो की जाती है लेकिन होता कुछ नहीं। आज भी बदबू मारती खाई शहर के बीचोबीच हमारा सिर शर्म से झुका देती है आज भी नालों के माध्यम से शहर भर का गंदा पानी सीधे नर्मदा जल में मिलकर हमारी आस्था का परिचय कराता है आज भी नगर की सड़कों की दुर्दशा हमारे विकास के प्लान को मुंह चिढ़ाती है आज भी पेयजल एवं पानी निकासी की सुविधा हमें विकास की दौड़ पिछड़ता साबित कर रही है। इस परिषद के आस्तित्व में आने के बाद इस तरह की निर्माण कार्यो को लेकर समीक्षा बैठक स्वागत योग्य है लेकिन लगभग आधे कार्यकाल के बाद समीक्षा करना और फिर नई रूपरेखा बनाना शायद यह कवायद करने में देर हो गई। फिर भी उम्मीद पर दुनिया कायम है नगरवासियों को अभी भी आश है कि सब्जी मण्डी की अव्यवस्था से उन्हें निजात मिल सकती है पार्किंग की सुविधा शीघ्र ही हम नगरवासियों को मिलेगी और अतिक्रमण से मुक्त हमारा नगर एक व्यवस्थित नगर की श्रेणी में खड़ा नजर आयेगा।

कल बैठक में जो निर्णय हुये उसके आधार पर हम इस तरह का स्वप्न तो पाल ही सकते हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

गोलमेज कक्ष में नगरपालिका परिषद मंडला के निर्माणाधीन कार्यों तथा आगामी कार्ययोजना को लेकर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र के सौन्दर्यीकरण, पार्किंग तथा यातायात व्यवस्था को भविष्य के दृष्टिकोण से सुव्यवस्थित किया जाना है। इसके लिए प्वाईंट टू प्वाईंट विस्तृत कार्ययोजना बनाएं। बस स्टेंड का विस्थापन, कृषि उपजमंडी तथा ट्राँसपोर्ट नगर के लिए नगरीय क्षेत्र के बाहर भूमि चिन्हांकन करें। उन्होंने कहा कि नगर विकास के प्रोजेक्ट तैयार करते समय इस तरह की कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए जिससे स्थानीय निकाय को अतिरिक्त आय मिले। साथ ही साथ विस्थापित किए जा रहे बस स्टेंड तथा कृषि उपज मंडी के लिए भी वैकल्पिक प्लान तैयार करें, जिससे रिक्त हो रही भूमि का भी नगरपालिका के हित में सदुपयोग हो। इस दौरान उन्होंने वीसी के माध्यम से जुड़े सीएमओ नगरपालिका को निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्र में लगाए गए अवैध होर्डिंग्स चिन्हांकित कर संपत्तीविरूपण की कार्यवाही करें।

बैठक में कलेक्टर ने कृषिमंडी के लिए ग्राम चटुआमार में चिन्हांकित भूमि के भू-भाटक आदि की राशि शीघ्र जमा कराने के लिए मंडी सचिव को निर्देशित किया। नगरपालिका तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मेरिज गार्डन के विषय में कलेक्टर ने कहा कि इस संबंध में चैकलिस्ट तैयार करें। नगरपालिका क्षेत्र में जिन मेरिज गार्डन की ओर से आवेदन प्राप्त हो गए हैं उनका परीक्षण कराएं तथा अन्य मेरिज गार्डन के खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने एसडीएम मंडला को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्तमान में बोर्ड परीक्षाओं का समय है इसलिए देर रात तक डीजे या अन्य प्रकार के ध्वनिविस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें।

प्रधानमंत्री आवास (शहरी) के विषय में समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने निमार्णाधीन एवं पूर्ण हो चुके आवास की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त सामग्री का उपयोग करते हुए निमार्ण कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं। बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री जेपी यादव, श्री हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

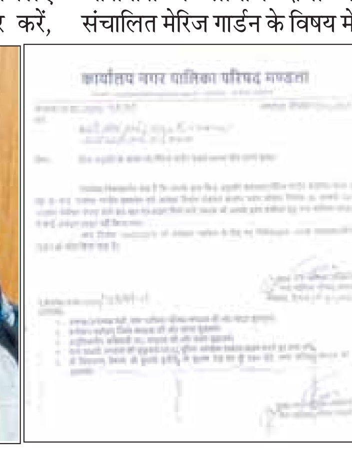

बोर्ड परीक्षाओं में केन्द्राध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण - कलेक्टर

मण्डला। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में 10वी तथा 12वी की बोर्ड परीक्षाओं के लिए चिन्हित परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित केन्द्राध्यक्षों को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में केन्द्राध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। परीक्षा की घड़ी बच्चों के लिए जितने महत्व की है, उतनी ही हमारे लिए भी। आप सभी को परीक्षा के पूर्व, परीक्षा के दौरान और परीक्षा के पश्चात किए जाने वाले कार्यों को बारीकी से समझना है, जिससे हम इस कार्य को बिना किसी त्रुटि के संपन्न कर सकें। उन्होंने कहा कि आजकल सोशल मीडिया का जमाना है। इसलिए चीजें बहुत तेजी से फैलती हैं, इसके लिए पूरी टीम को सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट सहित संबंधित केन्द्राध्यक्ष एवं प्रशिक्षक उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोमेश मिश्रा द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेज मंडला स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाऊस की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, निर्वाचन अधीक्षक अरूण, सीके तिवारी आदि उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ भाजपा प्रमुख किरण सिंह देव पहुंचे मंडला

मण्डला। छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव मंगलवार को मंडला पहुंचे। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका जगह-जगह स्वागत किया। सर्किट हाउस में जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने शाल, श्रीफल और पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया। महिला मोर्चा और नगर के कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। बिछिया मंडल में मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट के नेतृत्व में भुआ बिछिया में स्वागत हुआ। अंजनिया मंडल के कार्यकर्ताओं ने भी स्वागत किया। पदमी में जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने अगवानी कर उन्हें सर्किट हाउस तक लेकर पहुंचे। भोजन के बाद वे भाजपा कार्यालय गए और फिर जबलपुर रवाना हो गए। बीजाडांडी मंडल में भी उनका अभिनंदन किया गया। किरण सिंह देव ने कहा कि उनका मंडला और यहां के कार्यकर्ताओं से गहरा नाता है। लंबे समय बाद अपनों के बीच पहुंचकर वे अभिभूत हैं। इस दौरान सर्किट हाउस में पूर्व विधायक देव सिंह सैयाम सहित कई भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

रोजगार मेले में वन स्टॉप सेंटर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंगलवार को नगरपालिका मण्डला के टाउनहॉल में रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें रोजगार के अवसर प्रदान करने के संबंध में नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित किया गया। जिला प्रशासन के तत्वाधान में रोजगार मेले के आयोजन की जानकारी कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा बताई गई कि प्रत्येक माह के चौंथे मंगलवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिये जिला रोजगार कार्यालय मण्डला, जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र मण्डला और शासकीय आई.टी.आई मण्डला के द्वारा नई प्राईवेट कम्पनियां बुलवाई गई ताकि मेले में चयनित अभ्यर्थियों को रोजगार/स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। इसी अवसर पर वन स्टॉप सेंटर से प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा लिंग संवेदनशीलता, पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट एवं वन स्टॉप सेंटर के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही डायल 100, चाईल्ड हेल्पलाईन 1098, महिला हेल्पलाईन नंबर 181, साईबर सुरक्षा हेल्प लाईन 1930 तथा वन स्टॉप सेंटर मण्डला कार्यालय का नंबर 07642252699 के बारे में भी प्रचार प्रसार हेतु लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट, शासकीय आई.टी.आई. प्राचार्य आर.एस. वरकड़े, टी.ओ. वैशाली कामड़े, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट ऑफिसर आनंद मरावी, रोजगार अधिकारी एल.एस सैयाम, वन स्टॉप सेंटर से केसवर्कर आशा नंदा, बहुउद्देशीय कार्यकर्ता आरती वरकड़े उपस्थित रहे।

किसली वन परिक्षेत्र में बाघिन का शव बरामद

*** निर्धारित प्रक्रिया अनुसार केटीआर प्रबंधन ने किया शवदाह।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

वन्यजीव मादा बाघ उम्र लगभग 10-12 वर्ष की वन भूमि कक्ष क्रमांक 40 (780) बीट चिमटा, वृत घंघार, वन परिक्षेत्र किसली के अंतर्गत मृत पाया गया। विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सक डॉ. संदीप अग्रवाल का.टा. रिजर्व मण्डला, डॉ. आर.एम. भुरमुदे एसव्हीएस, रमेश वारेश्वा, पशु चिकित्सक मोहगांव के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शवदाह/भस्मीकरण की कार्यवाही सुश्री संध्या आईएफ.एस. वन संरक्षक कार्य आयोजना बालाघाट, सुश्री अमीता के.बी. आईएफ.एस. उपसंचालक कान्हा, अजय ठाकुर सहायक संचालक बंजर, दिनेश वरकड़े तहसीलदार बिछिया, परशराम चौहान एन.टी.सीए. प्रतिनिधि, चन्द्रेश खरे वन्यप्राणी अभिरक्षक (मानद), श्रीमति श्यामबती उइके सरपंच ग्राम पंचायत खटिया व अन्य की उपस्थिति में की गई।

निरीक्षण | **पेयजल का लिया सेम्पल, प्रतिमाह क्लोरीनेशन करने दिये निर्देश।**

कलेक्टर ने किया माधोपुर नलजल योजना का निरीक्षण

*** सभी घरों में नल कनेक्शन हों।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बिछिया विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। इस दौरान ग्राम माधोपुर में नलजल योजना के कार्य का अवलोकन किया। पेयजल सप्लाई के लिए नवनिर्मित पानी की टंकी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने पीएचई के संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्य ग्राम के सभी घरों में नल कनेक्शन करवाएं। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक नल में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो। टंकी में सीढ़ियों पर रेलिंग लगवाएं। पेयजल के सप्लाई के दौरान प्रतिमाह क्लोरीनेशन अवश्य करें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पेयजल का सेम्पल भी लिया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, एसडीएम बिछिया श्रीमती सोनाली देव, सीईओ जनपद पंचायत बिछिया श्री रमेश मंडावी सहित संबंधित उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया प्रगतिरत खेत तालाब के कार्य का अवलोकन

कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने संयुक्त भ्रमण के दौरान बिछिया विकासखंड के मेढ़ाताल में मनरेगा के अंतर्गत खेत तालाब के प्रगतिरत कार्य का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने अधिकारियों से खेत तालाब के इनलेट और आउटलेट के विषय में जानकारी ली। मजदूरों और हितग्राही से कार्य के विषय में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि तालाब में मत्स्य पालन भी किया जा सकता है, यह अतिरिक्त आय का साधन होगा। खेत तालाब की मेढ़ पर अरहर सहित अन्य फसलों की पैदावार लें। इस अवसर पर एसडीएम बिछिया श्रीमती सोनाली देव, सीईओ जनपद पंचायत बिछिया श्री रमेश मंडावी सहित संबंधित उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं सीईओ ने देखी स्व सहायता समूह की महिलाओं की गोंड़ी पेंटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने ग्राम औरई में क्रांति महिला आजीविका ग्राम संगठन में स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित गोंड़ी पेंटिंग का अवलोकन किया। कलेक्टर ने समूह की महिलाओं से पेंटिंग निर्माण की तकनीकि, उनके विक्रय एवं मार्केटिंग में आ रही समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नैनपुर के स्व सहायता समूह के साथ औरई के स्व सहायता समूह को क्लब करें, जिससे इनको मार्केटिंग में सहयोग मिलेगा। हमें स्थानीय स्व सहायता समूहों के उत्पादों को बड़े स्तर पर प्रमोट करना है। उन्होंने सुझाव दिया कि कान्हा टाईगर रिजर्व के होटल और रिसॉर्ट में भी कलादीर्घा की तरह छोटे आउटलेट बनाकर उनके साथ टाईअप किया जा सकता है।

समूह की महिला के पोल्ट्री फार्म पर पहुँचे कलेक्टर

भ्रमण के दौरान जाग्रति स्व सहायता समूह की मनीषा चंद्रौल दीदी के आग्रह पर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा मुर्गीपालन गतिविधि का अवलोकन करने पहुँचे। इस दौरान उन्होंने स्व सहायता समूह की दीदी से मुर्गीपालन की गतिविधि से जुड़ने और इससे संबंधित चुनौती के विषय में जानकारी ली। मनीषा दीदी ने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले उनके पास आमदनी का कोई स्थाई साधन नहीं था। समूह से छोटा ऋण लेकर इस कार्य की छोटे रूप में शुरूआत की थी। मुर्गीपालन गतिविधि के लिए समूह और ग्राम संगठन से दीदी अब तक एक लाख 70 हजार रूपए ऋण ले चुकी हैं। वर्तमान में उनके पास 4 हजार बर्ड हैं। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने समूह की दीदी को इस स्टार्टअप के लिए उनको बधाई दी और कहा कि आप समूह की अन्य दीदियों को भी स्टार्टअप के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर एसडीएम बिछिया श्रीमती सोनाली देव, सीईओ जनपद पंचायत बिछिया श्री रमेश मंडावी, डीपीएम एनआरएलएम श्री भगवान दास भैंसारे, विकासखंड प्रबंधक एनआरएलएम सुश्री शाहीन परवीन सहित संबंधित उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

डाक्टर क्लब द्वारा बैठक के दौरान किया गया नये पदाधिकारियों का मनोयन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि संगठन में इस तरह की मजबूती होती है कि कोई भी कार्य या परेशानी को लड़ने में सफलता मिल सकती है। इसी तरह से बीते हुये दिनों नगर के वरिष्ठ चिकित्सको द्वारा अपने क्लब की बैठक का आयोजन करते हुये पदाधिकारियों का मनोयन किया गया। बताया जाता है कि नगर के एक निजी होटल में आयोजित की गई इस बैठक में क्लब वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर चौधरी, डॉक्टर आशा मैडम ,वरिष्ठि चिकित्सक डॉक्टर आर सी जैन और डॉक्टर उमाशंकर दुबे ने डॉक्टर क्लब के अध्यक्ष पद के लिए डॉक्टर अरविंद जैन एवं सचिव पद के लिए डॉक्टर आशुतोष मेहता का नाम प्रस्तावित किया गया। वही सभी चिकित्सकों द्वारा इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुये पदाधिकारियों का मनोयन किया गया। इस दौरान क्लब के अन्य सदस्यों में डॉक्टर महोबिया, डॉक्टर हर्ष गुप्ता, डॉ सोनी, डॉक्टर संगीत जैन, डॉक्टर संदीप, डॉ यागेश तिवारी, डॉक्टर अरविंद चौकसे, डॉ रोहित शर्मा सहित अन्य चिकित्सक गण मौजूद थें।

सस्ते टमाटर बेचने को लेकर दूसरे सब्जी विक्रेता ने की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस वही के निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं तथा मेरी पत्नी मनोरमा बीते हुये दिनों सिहोरा बाजार में सब्जी बेच रहे थे तो वही बुधवारा निवासी तीरथ कुशवाहा, रामकुमार कुशवाहा, सुरेन्द्र कुशवाहा एवं भावसिंह कुशवाहा भी सब्जी बेच रहे थे । मैं 10 रूपये के डेढ किलो टमाटर बेच रहा था तथा तीरथ कुशवाहा अन्य चारो लोग 10 रूपये किलो टमाटर बेच रहे थे । इसी बात को लेकर तीरथ कुशवाहा प्राथी से बोला की तुम भी 10 रूपये किलो टमाटर बेचो तो प्रार्थी बोला की मैं 10 रूपये के डेढ किलो टमाटर बेचूगां। इसी बात पर से तीरथ कुशवाहा गंदी गंदी गालिया देने लगा तथा तराजू छुड़ाकर मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। उसी दौरान तीरथ का लड़का सुरेन्द्र कुशवाहा ,उसका भाई भावसिंह तथा भतीजा रामकुमार कुशवाहा भी आ गये और तीनो ने एक राय होकर मारपीट की गई। इस दौरान प्राथी की पत्नी तथा भतीजा शैलेष पटैल बीच बचाव करने लगे तो उनके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई।

घर के सामने गाली गलौच करने से रोका तो कर दी मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम बसुरिया निवासी हीरालाल पिता भोलापराम कहार उम्र 33 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने घर पर था उसी समय वही के निवासी प्रियांश बंशकार द्वारा घर के सामने किसी को गंदी गंदी गालिया बक रहा था। प्रार्थी द्वारा जब उसे अपने घर के सामने गाली गलौच करने से रोका तो आरोपी द्वारा प्रार्थी के साथ ही गाली गलौच शुरू कर दी गई और मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

जब पिता ने शराब पीने पैसा नही दिये तो पुत्र ने घर में लगा दी आग

गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत उस समय देखने मिली जब पुत्र ने पिता से शराब पीने के लिये पैसों की मांग की गई तो पिता के पास पैसा नही होने से इंकार किये जाने के चलते पुत्र ने घर में आग लगा दी गई। घटना को लेकर पीड़ित पिता द्वारा अपने पुत्र के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरा लड़का मनीष कुमार लोधी घर पर था जो शराब पीने के लिए पैसा मांग रहा था तो मैनें बोला कि मेरे पास पैसे नही है। इसी बात को लेकर मनीष बोला की पैसे नही दोगे तो घर में आग लगा दूंगा।

आखिरकार एनटीपीसी के माध्यम से नगर को प्राप्त होने वाली सीटी स्कैन मशीन सौगात कहां हो गई गायब, इस प्रकार विपत्ति निकल जाने के बाद सब कुछ भूल जाने की आदत ही पड़ती है भारी....?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

लगभग एक वर्ष पहले एनटीपीसी द्वारा सीटी स्कैन मशीन को राशि देने के बाद भी नहीं हो पाई स्थापित

एनटीपीसी द्वारा प्रदान की जाने वाली सीटी स्कैन मशीन मामले को लेकर प्रभारी कलेक्टर ने दिखाई गंभीरता

जिस तरह जब कोई विपत्ति सामने आकर खड़ी हो जाती है तो लोगों को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में हो या फिर अन्य कोई दूसरी कमी दिखाई देने लगती है और परेशानी से लड़ने के लिये तुरंत व्यवस्थाये करते हुये देखा जाता है जो निश्चित तौर से उस कहावत को चरितार्थ करते हुये जान पड़ता है की अब आग लगने के बाद कुंआ खोदने का क्या मतलब..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई हमारे क्षेत्र में भी दिखाई देना आम बात बन चुकी है। ज्ञात हो कि नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन की स्थापना हेतु एनटीपीसी पावर प्लांट के माध्यम से लगभग चार पांच साल पहले 10 लाख रूपया की राशि जमा की गई थी। इस जमा की गई राशि पर क्षेत्रवासियों ने जब गौर करना शुरू किया गया था तब कोरोना महामारी की दूसरी लहर पूर्ण शबाब पर रहते हुये आमजन की जिन्दगी को धीरे धीरे निकलते चली जा रही थी और उस समय नगर के शासकीय चिकित्सालय में बडे ही जोरों से सीटी स्कैन मशीन स्थापित करने का मुद्दा उठाया जा रहा था जिसके चलते पता चला था कि एनटीपीसी द्वारा नगर के शासकीय चिकित्सालय में एक सीटी स्कैलन मशीन के लिये घोषणा की गई थी तो बीते हुये अप्रेल 2021 में यह बात सामने उभर कर आई हुई थी कि नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन की स्थापना हेतु 10 लाख रूपया की राशि जमा की गई है। इस संबंध में जब 16 अप्रैल 2021 में नगर शासकीय चिकित्सालय के तत्कालीन प्रभारी डा राकेश बोहरे से चर्चा की गई तो उनके द्वारा जानकारी देते हुये बताया गया था कि जैसे ही राशि प्राप्त होती है टेंडर प्रकिया शुरू कर दी जायेगी, एक से दो महीने में मशीन स्थापित हो जाती है अभी चल रहे कोरोना काल व मौसमी बीमारियों के चलते उसकी ज्यादा डिमाड है। चिकित्सालय प्रबंधन को जैसी ही राशि प्राप्त होगी तो मशीन लगवा दी जावेगी। वही दूसरी ओर 16 अप्रैल 2021 में जब एनटीपीसी के तत्कालीन जन संपर्क अधिकारी निखिल स्वामी से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि जिला प्रशासन के अनुरोध पर सीटी स्कैन मशीन के लिये एनटीपीसी द्वारा बीते हुये फरवरी माह यानि की 2021 में 10 लाख 50 हजार रूपया की राशि जिला प्रशासन के पास जमा कर दी गई है जो मशीन की कुल कीमत से 25 प्रतिशत होती है। बाकी राशि जैसे ही मशीन का आर्डर करेगे प्रदान की दी जायेगी। वही दूसरी ओर उस समय इस सच्चाई को लेकर जहां नगर के शासकीय चिकित्सालय प्रभारी का कहना था कि राशि प्रदान करते ही टेन्डर की प्रक्रिया शुरू कर दी जावेगी तो दूसरी ओर एनटीपीसी जन संपर्क अधिकारी का कहना था कि हमारे द्वारा जिला प्रशासन के अनुरोध पर सीटी स्कैन के लिये पैसा जमा कर दिये गये है? उस समय सबाल यह पैदा हो रहा है कि निश्चित ही एनटीपीसी द्वारा राशि को जिला प्रशासन के पास जमा किये हुये महिनों का समय बीत चुका था । मगर किसी भी प्रकार की कोई प्रक्रिया शुरू न होना निश्चित ही जिला प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण उजागर होने से नही चूक पा रहा था..? इस सच्चाई को जब माह अप्रेल 2021 में मीडिया द्वारा लगातार उजागर किया गया था तो इस मामले को उस समय तत्कालीन कलेक्टर भरत सिंह यादव द्वारा गंभीरता से लेते हुये उस राशि को शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा रोगी कल्याण समिति में जमा करने की बात कही गई थी? वही उस दौरान तत्कालीन जिला कलेक्टर भरत सिंह यादव ने 25 अप्रैल 2021 अपनी चर्चा में बताया गया था कि एनटीपीसी द्वारा जो राशि जमा की गई थी उसे शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा की रोगी कलयाण समिति के खाते में उस राशि को 23 अप्रैल 2021 को जमा कर दिया गया है। इससे सी.टी. स्कैन मशीन के आर्डर के लिये आगे की प्रक्रिया की जा सकेगी। इसके उपरांत जब पुनः 25 अप्रैल 2021 को नगर के चिकित्सालय के तत्कालीन प्रभारी डा. राकेश बोहरे से चर्चा की गई थी तो उनका कहना था कि जिला प्रशासन द्वारा राशि जमा किये जाने की जानकारी मिली है। मगर अब सबसे बड़ी समस्या मशीन को प्राप्त करने की है। क्योंकि जब फरवरी माह में एनटीपीसी द्वारा जिला प्रशासन के खाते में राशि जमा की गई थी उस समय सप्लायर से बात हुई थी तो वह मशीन देने के लिये तैयार था तथा उस दौरान समाजसेवी शैलेन्द्र जैन ने भी पूरा भरोसा दिलाया गया था कि यदि तत्काल राशि की जरूरत पडेगी तो वह सहयोग करेगे। मगर वर्तमान समय में जो स्थिति बनी हुई है उसमें मशीन का सप्लाई होना कठिन जान पड़ रहा है। शासन व बडे स्तर पर यदि प्रयास किये जावे तो निश्चित ही सी.टी. स्कैन मशीन शीघ्र ही मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस संबंध में उस समय क्षेत्र की तत्कालीन विधायक श्रीमति सुनीता पटैल का कहना था कि उनके द्वारा भी इस सी.टी. स्कैन मशीन को गाडरवारा चिकित्सालय में स्थापित कराने के लिये अपने स्तर पर लगातार प्रयास किये जा रहे है। जिसके चलते राज्यसभा सासंद विवेक तन्खा से बात करते हुये आग्रह किया गया है कि वह किसी भी तरह कही से सी.टी. स्कैन मशीन गाडरवारा शासकीय चिकित्सालय के लिये उपलब्ध कराये जिससे इस कोरोना महामारी के दौरान मरीजों को लाभ मिल सके। वही दूसरी ओर देश व प्रदेश की सत्ताधारी सहित अन्य राजनैतिक पार्टियों के नेताओं सहित समाजसेवियों द्वारा उपरोक्त मुद्दे को अप्रेल मई माह यानि की वर्ष 2021 के दौरान उस समय प्रमुखता से उठाया जा रहा था। जब कोरोना महामारी की दूसरी लहर घातक बन चुकी थी, जिससे अनुमान लग रहा था कि शायद अब शीघ्र ही नगर के शासकीय चिकित्सालय के लिये यह सीटी स्कैन मशीन की सौगात मिल जावेगी..? मगर जैसे जैसे कोरोना की दूसरी लहर शांत होती गई और सीटी स्कैन मशीन स्थापित करने का मुद्दा भी शांत हो गया और गौर किया जावे तो इस बात को आज लगभग चार पांच साल का समय बीत चुका है। मगर आज तक न तो नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन स्थापित हो पाई है और न ही अब नेताओं के मुंह से सीटी स्कैन मशीन की स्थापना को लेकर कोई चर्चा सुनी जा रही है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो अप्रैल 2021 में जिस तरह एनटीपीसी के जन संपर्क अधिकारी द्वारा बताया गया था कि सीटी स्कैन मशीन को लेकर उनके द्वारा जिला प्रशासन पास 10 लाख 50 हजार की राशि जमा कर दी गई जिसके चलते उस जमा की गई राशि की पुष्टि तत्कालीन कलेक्टर भरत यादव द्वारा भी किये जाने के बाद पता नही वह राशि कहा गायब हो गई या फिर किसी अन्य दूसरी कार्य में खर्च हो चुकी है, यह बात शायद ही किसी की जानकारी में हो..? क्योंकि पांच साल पहले कोरोना काल के समय जब सीटी स्कैन मशीन की स्थापना को लेकर प्रयास किये जा रहे थें उस समय मिल नही पा रही थी। मगर जब स्थापना कराने के लिये काफी समय मिला तो उस मुद्दे को भुला दिया गया जिसकी शायद नगर ही नही बल्कि क्षेत्रवासियों के लिये सबसे अधिक जरूरत महसूस की जाती है और आज भी जरूरत पड़ने पर लोग सीटी स्कैन के लिये नरसिंहपुर या फिर अन्य बडे महानगरों के लिये भटकने मजबूर होते हुये देखे जाते है? यदि जिम्मेदारों द्वारा समय रहते हुये निष्ठा के साथ प्रयास किये गये होते तो बीते हुये बीते हुये चार साल के लम्बे अंतराल के दौरान नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन की स्थापना हो चुकी होती..? इस तरह एनटीपीसी द्वारा मिलने वाली एक बडी सौगात को पूर्णरूप से भुला दिया गया है जो चर्चा का विषय ही नही बल्कि क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता का प्रमाण उजागर करने से नही चूक रहा है...? यह बात अलग है कि नगर के शासकीय चिकित्सालय को विकास के नाम पर लाखों रूपया की राशि खर्च करते हुये नई नबेली दुल्हन की तरह सजा तो दिया गया है। मगर आज भी मरीजों को जरूरी सुविधाओं के आभाव के चलते परेशान होते हुये देखा जाना आम बात है।

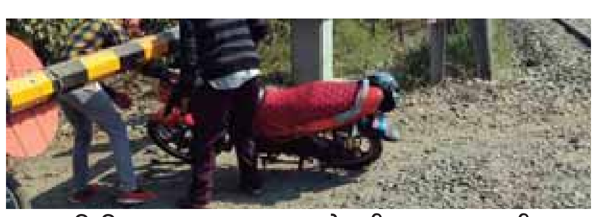

चंद मिनिट का इंतजार करने की जगह अपनी जान जोखिम में डालते हुये पार की जा रही रेल्वे लाईन, किशोरों में पड़ रहा इसका असर

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा रेल्वे लाईनों को पार करने के लिये जहां तहां रेल्वे गेंट लगाते हुये उन्हें खोलने व बंद करने के लिये अपनी कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है, जिससे किसी भी ट्रेन के आने के पहले वह रेल्वे गेंटों को बंद करते हुये लोगों को इस बात के लिये सचेत कर सके कि वह रेल पटरी को पार न करे। मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से पढ़े लिखे हुये लोगों को रेल्वे गेंट बंद रहने के बाद भी वह अपने वाहनों सहित रेल्वे गेटों के नीचे से वाहन निकालते हुये देखे जाते है निश्चित तौर इस तरह की हरकत खुद की जिन्दगी को खतरे में डालने के साथ युवा पीढ़ी को भी इस प्रकार से नियम विरूद्ध कार्य करने के लिये प्रेरित करने से नही चूक रहे है? चंद मिनिट रूकने की जगह उनके द्वारा की जाने वाली यह हरकत निश्चित तौर से रेल प्रशासन के नियमों के विपरित होने के साथ साथ कुछ की जिन्दगी को खतरे में डालते हुये देखी जा रही है। इस बात की सच्चाई आये दिन गाडरवारा करेली के राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर पड़ने वाले मनकवारा रेल्वे गेट पर आये दिन देखने मिली है। बताया जाता है कि जब ट्रेन आने के कुछ मिनिट पूर्व रेल विभाग के कर्मचारियों द्वारा यहां की रेल पटरियों को पार करने से रोकने के लिये गेट को बंद कर दिया जाता है। मगर उस दौरान देखा जाता है कि अक्सर अनेक जागरूक माने जाने वाले पढ़े लिखे लोगों द्वारा जिस तरह अपनी मोटर साईकिलों को गेट के नीचे से निकलते हुये देखा जाता है उससे उनकी जिन्दगी तो खतरे में पड़ ही रही है साथ ही साथ उनके द्वारा शासन के नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुये की जाने वाली इस हरकत का निश्चित तौर से युवा पीढ़ी पर भी बुरा असर पड़ने से नही चूक पा रहा है?

छोटे भाई की हत्या के आरोप में न्यायालय से बड़े भाई को सुनाई आजीवन कारावास की सजा, मृतक को न्याय दिलाने अपर लोक अभियोजक त्रिपाठी ने की पैरवी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

कहा जाता है कि बडे भाई व छोटे भाई के बीच का रिस्ता इस तरह से होता है कि जब छोटा भाई किसी परेशानी में रहता है तो बड़ा भाई अपनी जिन्दगी को दांव पर लगाते हुये उसकी मदद के लिये पीछे नही रहता है। इस बात की सच्चाई हमे रामायण काल के माध्यम से सीखने के लिये मिली है जहां पर बडे भाई के लिये जहां छोटे भाईयों ने अपना सबकुछ त्याग दिया गया था तो बडे भाई ने भी अपने छोटे भाईयों को जिस तरह पुत्र की भांति स्नेह देने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर इस कलयुग काल में सब कुछ विपरित देखने मिल रहा है जहां पर भाई की जान का दुश्मन भाई को ही बनते हुये देखा जा रहा है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस स्थानीय न्यायालय में उस समय देखने मिली जब छोटे भाई की हत्या के आरोप में चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश मा. सूरज सिंग राठौड़ द्वारा अपने प्रकरण में अपर लोक अभियोजक महेन्द्र कुमार त्रिपाठी द्वारा पेश किये गये साक्ष्य व तर्को से सहमत होते हुये अपना फैसला सुनाते हुये जब छोटे भाई की हत्या के आरोप में बड़े भाई को आजीवन कारावास की सजा से दंड़ित करने का निर्णय सुनाया गया। इस संबंध में अपर लोक अभियोजक महेन्द्र कुमार त्रिपाठी द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि फरियादी लवकुश विश्वकर्मा द्वारा 28 अगस्त 2023 में पुलिस को सूचना दी गई कि शाम करीब 7 बजे की बात है कि जब गाय लगाने की बात पर से बड़े भाई रामकृष्ण एवं मझले भाई नीलेश के बीच कहा सुनी हो जाने से बड़े भाई रामकृष्ण द्वारा भाई नीलेश को गाली गलौच करते हुए मुक्का थप्पड़ से मारपीट करने लगा और कुछ देर बाद पूजा वाले स्थान पर लगे लोहे के बाने (त्रिशूल) से जान से मारने का आशय रखते हुये भाई नीलेश के सीने में त्रिशूल घोंप कर उसकी हत्या कर दी है। इस सूचना के आधार पर साईखेड़ा पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ धारा 302 भा.द.वि के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया। वही आरोपी रामकृष्ण विश्वकर्मा को गिरप्तार करते हुये मा.न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस तरह स्थानीय न्यायायल में विद्यवान चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश मा. सूरज सिंग राठौड प्रकरण में आयी साक्ष्य तथा अपर लोक अभियोजक महेन्द्र कुमार त्रिपाठी द्वारा पेश किये गये तर्को से सहमत होते हुये आरोपी रामकृष्ण विश्वकर्मा को अपने भाई नीलेश विश्वकर्मा की हत्या करने को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास सहित एक हजार रूपया के अर्थ दंड से दंडित किया। इस प्रकरण में मृतक को न्याया दिलाने के लिये शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक महेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने पैरवी की गई।

नगर की इंदिरा कॉलोनी में चल रहे भागवत कथा पुराण के चलते बह रही धर्म की गंगा, श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से मिलता हैं पुण्य लाभ - विश्वनाथ शास्त्री

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इन दिनों जहां देश के पावन स्थल प्रयाग राज में चल रहे महाकुंभ के दौरान पूरे देश का महौल धर्ममय होने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर जहां तहां आयोजित हो रहे धार्मिक कार्यक्रमों की धूम बची हुई देखी जा रही है। कुछ इसी प्रकार से स्थानीय इंदिरा कालोनी के शिवधाम मे श्री गणेश मंडल समिति द्वारा बीते हुये 13 फरवरी से आयोजित किये जा रहे श्रीमद भागवत कथा पुराण रुद्री निर्माण सहित शिव अभिषेख कार्यक्रम में भक्तों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है। बताया जाता है कि इस कथा का समापन आज गुरूवार को विशाल भंडारे के साथ होगा। वही चल रहे संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के आयोजन से माहौल धर्ममय बना हुआ हैं। बताया जाता है कि कलश यात्रा से प्रारंभ हुए इस आयोजन मे प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 बजे तक रुद्री निर्माण शिव अभिषेख के उपरांत दोपहर 2 बजे से संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के दौरान लोगों को भगवान की भक्ति में लीन होते हुये देखा जा रहा है। वही कथा मे कथा वाचक स्वामी विश्वनाथ शास्त्री द्वारा प्रतिदिन भगवान कृष्ण की लीलाओ का जिस तरह मार्मिक रूप से वर्णन सुनाया जा रहा है उसके चलते सिर्फ कालोनी ही नही बल्कि संपूर्ण नगर में धर्म की गंगा बहते हुये दिखाई देने के बीच लोगों को इसमें गोते लगाने के लिये उत्साहित होने में कोई कसर नही दोड़ी जा रही है। इस दौरान उन्होंने भगवान कृष्ण जन्म, पूतना वध, कंस वध, कालिया मर्दन, सुदामा चरित, राजा परीक्षित वृत्तांत सहित अनेक प्रसंग कथा सुनाते हुये लोगों को भाव विभोर करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। कथा मे उन्होंने कहा कि भागवत कथा को पूर्ण ध्यान से सुनना चाहिए जो भी व्यक्ति कथा का श्रवण करता हैं उसे पुण्य लाभ मिलता हैं। क्योंकि भागवत कथा के श्रवण से मन को शांति मिलती हैं एवं अच्छे संस्कार सीखने मिलते हैं। इस दौरान उन्होंने कथा मे कहा की आजकल मोबाइल संस्कृति से बच्चों एवं युवाओं का ध्यान आध्यात्म से दूर होता चला जा रहा है जो चिंता जनक है। क्योंकि वर्तमान समय मे संस्कृति से जोड़ने की जरूरत सभी को हैं। कथा वाचक महाराज ने बताया कि श्रीमद भागवत कथा जीवन मे सदमार्ग पर चलने की सीख देती हैं। यदि इस कलयुग काल में लोग भगवान से नही जुडे तो उनकी नैया का भव सागर पार लगना मुश्किल है। चल रहे इस धार्मिक आयोजन मे बड़ी संख्या मे धर्म प्रेमी श्रद्धालू शामिल होकर धर्म लाभ ले रहे हैं। आयोजन मे श्री गणेश मंडल समिति एवं कालोनीवासियो का सहयोग मिल रहा हैं।

नगर की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था सुधारने में असफल हो रहा प्रशासन, महानगरों की तरह दिखाई पड़ रहे जाम के नजारे

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शहर की आबादी बढ़ने,आपाधापी भरे समय में स्वाभाविक तौर से वाहनो, आटो की संख्या में ईजाफा होने, स्कूलो बसो, ट्रको की भरमार होने, अतिक्रमण की गहराती समस्या के कारण नगर की प्रमुख सड़के्र बेजा यातायात का दबाव सहने की स्थिति में दम तोड़ती जा रही है और वही नवनिर्मित सड़कों के भी जर्जर होने की शुरूआत हो गयी है। जिन पर सुबह से अनियंत्रित गति से चल रहे वाहनों से जहां पैदल स्कूलो में जाने वाले बच्चो, राहगीरो, शासकीय कर्मचारियो का सड़कों को पार करना मुश्किल हो रहा है। वही सड़कों के किनारों पर बेतरतीव वाहनों के खड़े रहने से नगर के राठी तिराहे, पलोटन गंज चौराहे, झंडाचौक पर रोज जाम लगने के हालात बन रहे है? इन स्थानों के सकरे पन की वजह से कभी कभार वाहनों का रेला इतना अधिक लग जाता है कि यातायात अराजक हो जाता है और लोगो का परेशानी उठाने मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर नगर की सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशी भी यातयाता व्यवस्था को पूर्ण रूप से तहस नहस करे हुए है। जिनको हटाने के लिए बीते हुये समय में पूर्व नपा द्वारा हाकां गैंग की शुरूआत की गई थी मगर पता वह अचानक कहा गायब हो चुकी है? वही चल रहे किसानों के कृषि कार्यो के सीजन में जब बाजार गुलजार रहता है तब कई जगह जाम लगने की नौबत आने से आमजनो का सड़को पर चलना दूभर होने के साथ साथ शहर का महौल बड़े महानगरों के समान दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? बताया जाता है कि शहर में अक्सर दिखायी देने वाले जाम के मंजर बाजार में दुकानदारो द्वारा सड़कों के आधे हिस्से पर सामान फैलाने तथा लोगों में अतिक्रमण करने की बढ़ रही प्रवृत्ति की देन है। विदित हो कि बरसो से पुलिस को मिल रही नगर की यातायात व्यवस्था सुचारू रखने की चुनौती को स्वीकार करने में स्थानीय पुलिस नाकाम साबित होते हुये जान पड़ रही है? शहर के थाने में अलग से पर्याप्त यातायात पुलिस कर्मी न रहने से कई महत्वपूर्ण स्थानो पर यातायात पुलिस कर्मी तैनात नही हो पा रहे है, जिससे अनियंत्रित गति से वाहन चलाने वाले मनचाहे ढंग से सड़कों पर वाहन दौड़ा दुर्घटनाओं को निमंत्रण देकर यातायात व्यवस्था को बिगाड़ रहे है। वही शहर वासियों का कहना है कि बदलते समय में शहर के सौन्दर्यीकरण के साथ नगर के युवाओं, नागरिको की चाहत है कि नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार करने शासन प्रशासन हरकत में आएँ, जिला पुलिस अधीक्षक नगर के थाने में अपेक्षित यातायात पुलिस कर्मियो की तैनाती कराये ताकि शहर के प्रमुख स्थानो पर जाम लगने की समस्या खत्म हो सके।

नगर में लगे हुये बिजली खम्बों को निजी कंपनी द्वारा उपयोग में लेते हुये दे दिया मकड़ी के जाल का स्वरूप, बन रही दुर्घटनाओं की संभावना..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों शहर के मुख्य मार्गो से लेकर कालोनियों में बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये विद्युत सप्लाई व्यवस्था के खम्बों पर जिस तरह निजी कंपनी द्वारा अपनी लाईन डाली गई है उसके चलते जहां इन बिजली खम्बों का स्वरूप मकड़ी के जाल की भाँति बन चुका है। मगर हैरत की बात है कि इसको लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है? इस तरह सरकारी बिजली खम्बों पर डाली गई केबिल में निजी कंपनी का मार्का अंकित होने से यह अनुमान लग रहा है कि शायद निजी कंपनी द्वारा अपने संचार व्यवस्था के लिये इन सरकारी खम्बों का उपयोग किया जा रहा है? मगर बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये यह खम्बे जहां शासकीय संपत्ति माने जाते है और उनका उपयोग सिर्फ बिद्युत व्यवस्था के लिये उपयोग करना बताया जाता है..? मगर इसके बाद भी जिस तरह से निजी कंपनी द्वारा इन खम्बों का उपयोग करने के लिये खम्बों के ऊपर चढ़कर जहां अपनी सामग्री फिट करते हुये उनके ऊपर अपनी केबिल डालने का कार्य करते हुये उन्हें मकड़ी के जाल की भांति बना दिया गया है, इससे निश्चित तौर से नगर में विद्युत उपभोक्ताओं के लिये जहां परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा तो दूसरी ओर निजी कंपनी द्वारा डाली इन केबिल में इतनी ढील देखी जा रही है जिसके चलते नगर की कालोनियों व मुहल्लो में जब कोई वाहन प्रवेश करेगा तो वह फंसने से नही बच पायेगा? इस स्थिति में निश्चित तौर से आये दिन बिद्युत सप्लाई व्यवस्था में बांधा पहुंचने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वैसे भी देखा जावे तो नगर के अंदर लगे हुये बिजली खम्बों की हालत यह बनी है कि वह पहले से ही विद्युत लाईनों के चलते मकड़ी के जाल के समान बने हुये है और उसी के ऊपर से इस नई लाईन के डाले जाने से विकट स्थिति बनने से नही चूक पा रही है? मगर खुलेआम बिजली खम्बों का निजी कंपनी द्वारा उपयोग किये जाने के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से अनेक सबाल खड़े करने से नही चूक रही है..?

राड मारकर पहुंचाई चोट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कौड़िया निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे बडे भाई विष्णु क हार का गांव के राजा धानक से पैसो के लेन पर से पुराना विवाद चल रहा है। बीते हुये दिवस मेरे भाई विष्णु उर्फ विष्णुदास कहार घर पर थे तभी राजा धानक उसके भाई राजेश धानक के साथ दोनो हाथ में लोहे की राड लिए हमारे घर के सामने आये और पुरानी बुराई को लेकर मेरे भाई विष्णु कहार को गंदी- गंदी गालियाँ देने लगे जो सुनने में हमे बुरी लगी तब मैनें तथा मेरे भाई ने घर के बाहर आकर राजा धानक व राजेश धानक से गाली देने से मना किया तभी राजा धानक ने हाथ में रखी लोहे की राड से विष्णु कहार के साथ मारपीट शुरू कर दी जिससे विष्णु कहार को चोटे आई तब मै तथा विजय कहार बीच बचाव करने आये तो राजा कहार ने हाथ में रखी राड से विजय कहार के साथ तथा राजेश धानक ने राड से मेरे साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

रोड में पड़ी गिट्टियों से मोटरसाइकिल फिसलकर गिरी, युवक घायल

डिंडौरी । कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घानाघाट स्थित राइस मिल के समीप सड़क में पड़ी गिट्टियों से मोटरसाइकिल फिसलकर अनियंत्रित होने से गिरकर एक युवक घायल हो गया, जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया है। अस्पताल चैकी पुलिस को दिए कथन में माहू सिंह कुशराम पिता भद्दू सिंह कुशराम निवासी ग्राम गीधा थाना गाड़ासरई ने बताया कि मैं मंगलवार को अपने चाचा शिवलाल कुशराम की मोटरसाइकिल से अकेला अपने घर ग्राम गीधा से डिंडौरी आ रहा था। शाम करीबन 4 बजे जैसे ही ग्राम घानाघाट स्थित राइस मिल के पास पहुंचा था कि उसी समय रोड में पड़ी गिट्टीयो के कारण मेरी मोटरसाइकिल फिसलकर अनियंत्रित हो गई और मैं मोटरसाइकिल समेत गिरकर घायल हो गया। मैं स्वयं उठा और उसी मोटरसाइकिल से अपने घर गीधा वापस लौट गया और परिजनों को घटना के बारे में बताया। इसके बाद परिजनों द्वारा मुझे एक ऑटो से जिला चिकित्सालय लाकर उपचार हेतु भर्ती कराया गया। दुर्घटना में मुझे दाहिने माथा, भौं, गाल एवं दोनों हाथ में चोट लगी है।

सारंगपुर पड़रिया जलाशय के गेट बंद किए जाने की मांग

डिंडौरी। विकासखंड डिंडौरी अंतर्गत ग्राम सारंगपुर पड़रिया जलाशय के गेट बंद किए जाने की मांग को लेकर स्थानीय किसानों द्वारा कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया गया है। कलेक्टर को दिए आवेदन में किसानों ने बताया कि हमारे गांव सारंगपुर पड़रिया में वर्ष 2009-10 में सिंचाई के लिए जलाशय का निर्माण कराया गया था, लेकिन सही गेट न लगने के कारण बांध का पूरा पानी बहता रहता है। किसानों ने बताया कि बांध का पानी बह जाने से उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने आवेदन में यह भी उल्लेख किया की बांध के आसपास कंक्रीट भी नहीं कराया गया है। किसानों का कहना है कि जब से बांध बना है तभी से उन्हें अब तक कोई भी लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने कलेक्टर से गुहार लगाई है कि जलाशय के में सही तरीके से गेट लगाकर बंद कराया जाए जिससे उन्हें सिंचाई के लिए पानी की सुविधा मिल सके। आवेदन देते समय त्रिलोक सिंह, विजय सिंह, मनोज धुर्वे, सरवन गोविंद सिंह समेत और किसान उपस्थित रहे।

पवित्र नगरी अमरकंटक में बेधड़क चल रहा है जुआं का कारोबार

अमरकंटक

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में जुआं का खेल बेधड़क चल रहा है, जुआंडी अपना जगह बदल बदल कर इसको अंजाम देते हैं यह जुआं लाखों में खेला जाता है तथा इसमें शामिल होने के लिए अमरकंटक के युवा तथा बाहर से भी जुआंडी भाग लेने के लिए आते हैं उन्हें कहां आना है कहां पहुंचना है सब पता होता है जानकारी दे दी जाती है। अमरकंटक नगर में यह जुआं लंबे समय से खेला एवं खिलाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बावन पत्तों का खेल जुआं पवित्र नगरी अमरकंटक में विगत दो-तीन वर्षों से लगातार चल रहा है इसमें कई घर के लोग युवा बर्बाद हो चुके हैं लेकिन फिर भी यह बंद होने का नाम नहीं ले रहा इसके पूर्व जुआंडी अपने अपने चौपाहियां वाहनों में कहीं पर भी दिन या रात में खड़े होकर इसको अंजाम देते रहे हैं खेलते रहे। इसका गत दिनों वीडियो वायरल होने के बाद तथा समाचार पत्र में प्रकाशित होने के बाद थोड़ा रुका हुआ था।

जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खजरी माल का मामला

बिना प्रयोजन, फर्जी बिल, अमान्य फोटो लगाकर किया जा रहा लाखों का बंदरबांट

डिंडौरी

केंद्रीय और राज्य सहायता राशि की खुलकर हो रही बंदरबांट,सरपंच, सचिव ने राशि आहरण का निकाल लिया है गजब फार्मूला, जीपीडीपी कुछ और बना रहे और खर्च कुछ और कर रहे है खैर डिंडौरी इन दिनों जिले के सातों जनपद पंचायतों में सरपंच, सचिव के द्वारा मिलीभगत कर 5 वें वित्त और 15 वें वित्त की राशि का गाईडलाइन के विपरीत भुगतान कर ठिकाना लगाया जा रहा है।दरअसल ताजा मामला जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खजरी का सामने आया है जहां सरपंच शांति बाई, और सुषमा धुर्वे के सचिव के द्वारा 5वें और 15 वें वित्त आयोग की राशि में भारी अनियमितता बरती जा रही है। बता दें कि ग्राम सरपंच,सचिव केंद्रीय सहायता 15 वें वित्त और राज्य 5वें वित्त का भुगतान गाइड लाइन के विपरीत, फर्जी बिल, बिना प्रयोजन, बिना जीओ टैग के फर्जी और अमान्य फोटो लगाकर लाखों रुपए का भुगतान अपने चहेते सप्लायर को मटेरियल खरीदी के नाम पर नियम विरुद्ध तरीके से किया जा रहा है, हैरानी की बात ये है कि अधिकारी भी फर्जी, धुंधले बिल अमान्य फोटो बिलों की जांच करे बिना ही लाखों रुपए का बिल पास कर भुगतान कर रहे है।

गाइडलाइन नियमानुसार

अन्य ऐसे कार्य जो गैर अनुमत्य ना हों एवं जो जिला स्तरीय प्लानिंग समिति द्वारा अनुसंशा की जावे कि 15वें वित्त आयोग की अनुसंशा अनुसार किसी भी प्रकार का स्थापना व्यय, वेतन मानदेय भुगतान, टेंट किराया, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकार्पण समारोह, एयर कंडीशनर, वाहन क्रय, विद्युत बिल, स्वल्पाहार पर व्यय,विज्ञापन बैनर पर व्यय इस मद से नहीं किया जा सकेगा।बता दें कि गांवों के विकास और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय मद के 15वें वित्त की प्राप्त राशि का ग्राम पंचायतों में गजब ही घोटाला किया जा रहा है। इस मद के लाखों रुपयों की बंदरबांट सरपंच, सचिव और जनपद पंचायत के अधिकारी कर रहे है। इस मद की राशि के आहरण की भी गजब तोड़ इस तिकड़ी ने निकाल ली है। मजे की बात यह है कि सरकारी धन हड़पने का ऐसा खेल एक अकेले नहीं या बल्कि पूरे जिले की ग्राम पंचायतों में चल रहा है। यही वजह है कि अधिकांश सरपंच , सचिव खाक से फलक तक जा पहुंचे है। 15वें वित्त आयोग की राशि के उपयोग और आहरण के लिए सरकार की गाइड लाइन के अनुसार यदि किसी को 50 हजार से ऊपर का भुगतान करना है तो उसके लिए तकनीकी स्वीकृति जरूरी होती है। इससे बचने के लिए सरपंच, सचिवों और जनपद के अफसर ने गजब तोड़ निकाल ली है। इस तोड़ के अनुसार 49 हजार, 45 हजार रुपए का आहरण किया जाने लगा है। इस योजना में एक विशेष बात यह भी है कि जीओ टैग जरूरी होता है, लेकिन यहां इस फार्मूले पर भी धता बताया जा रहा है। 50 हजार के नीचे की राशि में न तकनीकी स्वीकृति की आवश्यकता होती है न ही जीओ टैग की। सचिव, सरपंच अपनी मनमानी से मनचाहे हिसाब से खर्च दर्शाकर राशि का गबन कर रहे है।ई ग्राम स्वराज में लगे बिलों के अनुसार अमरपुर जनपद पंचायत के खजरी ग्राम पंचायत में 2024-25 से 2025- 26 में 15वें वित आयोग के लगभग लाखों रुपयों के बिलों का भुगतान बिना प्रयोजन, बिना जीओ टैग के फर्जी और अमान्य फोटो लगाकर सरपंच,सचिव के द्वारा बंदरबाट किया गया है। 15 वें वित्त योजना में प्रावधान है कि सरपंच, सचिव को ग्रामसभा में अनुमोदन कराकर ग्राम पंचायत विकास कार्यक्रम में चयनित कार्य को 60 -40 के रेसियो में कराना होता है। इसके तहत स्वच्छता में 30, शिक्षा में 30, अधो संरचना में 40 प्रतिशत प्लान के तहत केंद्रीय सहायता राशि 15वें वित्त से ग्राम पंचायत का विकास करना होता है, लेकिन जीपीडीपी कुछ और बनाते हैं और खर्च कुछ और करते है।

एकीकृत माध्यमिक विद्यालय जोगीग्वारा में दी गई आठवीं के छात्रों को विदाई

डिंडौरी एकीकृत माध्यमिक विद्यालय जोगीग्वारा में वार्षिक परीक्षा के कक्षा आठवीं के छात्रों को विदाई दी गई। दिनांक 24 फरवरी से वार्षिक परीक्षा होने के पूर्व एकीकृत माध्यमिक विद्यालय जोगीग्वारा में विदाई कार्यक्रम का आयोजन कर कक्षा आठवीं के छात्रों को विदाई दी गई। इस अवसर पर छात्रों द्वारा माँ सरस्वती की पूजन कर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद कक्षा आठवीं के छात्रों को तिलक लगाकर पुष्प गुच्छे भेंट कर स्वागत किया गया।तत्पश्चात अनेक विदाई गीत प्रस्तुत किया गया। निकटतम शाला माध्यमिक विद्यालय बिजौरी के प्रधान अध्यापक एस के काशी द्वारा छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन के साथ पढाई करते हुए अपना भविष्य संवारें देववती मरावी प्रधान अध्यापक छिद्दीटोला ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की वहीं प्राथमिक विद्यालय बावली की शिक्षिका प्रिया ठाकुर ने संबोधन में कहा कि छात्रों को मुठी वाणी से मधुर व्यवहार बनाते हुए अपनी पढाई करनी है। एकीकृत माध्यमिक विद्यालय जोगीग्वारा के प्रमुख शिक्षक राम कुमार गर्ग ने गीत के माध्यम से विदाई देते हुए सुखद भविष्य की मंगलकामनाए की। कार्यक्रम समापन उपरांत छात्रों को कलम की ताकत बताते हुए संस्था की ओर से पेन भेंट किया गया और प्रवेश पत्र वितरण किया गया।

विधायक ओमप्रकाश धुर्वे जपं. शहपुरा में आयोजित जनशिविरों में हुए शामिल

डिंडोरी । मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शासन की योजनाओं को धरातल पर साकार करने के उद्देश्य से 11 दिसंबर 2024 से प्रारंभ होकर 26 जनवरी 2025 तक निरंतर जनशिविर आयोजित किये गए। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान का समापन कार्यक्रम राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। जनपद पंचायत शहपुरा के ग्रामों में आज बुधवार को आयोजित जन शिविरों में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत हितग्राहियों से प्राप्त आवेदन के आधार पर विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अभियान के दौरान आवेदन करने वाले हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया। अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनो पर कार्यवाही कर अभियान के अग्रिम चरण में आवेदकों को हितलाभ वितरण करने के उद्देश्य से आज जनपद पंचायत शहपुरा की ग्राम पंचायत दुल्लोपुर, लालपुर, डोभी, कछारी और धिरवनकला में आयोजित जन शिविर में विधायक ओमप्रकाश धुर्वे शामिल हुए। आयोजित शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका आर्मो, जितेन्द्र चंदेल, नितिन गुप्ता, हीरेन्द्र सिंह मरावी, श्री संतोष साहू, संतोषी विश्वकर्मा, जीतू राय, झनकलाल झारिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के राजस्व, पंचायत, महिला एवं बाल विकास, कृषि सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजित जनशिविरों में आज हितलाभ वितरण के साथ ही अभियान के दौरान शेष रह गए पात्र हितग्राहियों के आवेदन भी स्वीकार किये। विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभाग पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित कर रहे है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन आपके द्वार तक आपकी समस्याओं का निराकरण करने पहुंची है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में किए जा रहे निर्माण कार्यों से ग्राम का विकास किया गया। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से लोगों का उपचार किया जा रहा है, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लोगों के पक्के आवास का सपना पूरा हुआ है, अभी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सर्वे कार्य प्रारंभ है, सभी का नाम सर्वे में शामिल कर पक्का आवास बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में आयोजित जनशिविरों को सफलतापूर्वक संचालित किया गया है। अभियान के तहत जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में जनकल्याण शिविर आयोजित हुए, जिनमें 60 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त किये। आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए, सभी विभाग हितग्राहियों को शासन की योजना का लाभ दे रहे है।

कलेक्टर ने हाईवे निर्माण कार्यप्रगति का किया निरीक्षण

डिंडोरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने आज बुधवार को निर्माणाधीन डिंडौरी से अमरकंटक नेशनल हाइवे के निर्माण कार्यप्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम बजाग वैधनाथ वासनिक, कार्यपालन यंत्री आरईएस विभाग, प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार , निर्माण एजेंसी एवं ठेकेदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डिंडौरी से अमरकंटक के बीच राजमार्ग निर्माण का कार्य प्रगतिरत है, जिसके सम्बन्ध में निरीक्षण के दौरान सडक का स्टीमेट नक्शा के अनुसार निर्धारित मापदंड एवं पटरी एवं ग्राम कूंडा, गीधा आदि में गांव में निर्माणाधीन नाली के बाद बनने वाले स्लोप के सम्बन्ध में कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने 15 दिवस के अन्दर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि स्लोप उचित रूप से बनाकर दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य को पूरा करना है, तत्सम्बन्ध में अधिकारी उचित स्लोप बनाये और संरचना में सुधार करें। उन्होंने कहा कि कार्यपालन यंत्री आरईएस ट्रेकर एप्प के माध्यम से निर्माण कार्य की गुणवत्ता को विभागीय अभियंताओं के माध्यम से जांच करवाएं, साथ ही उन्होंने एसडीएम बजाग को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक 15 दिवस में राजमार्ग निर्माण की प्रगति का जायजा लेते हुए गुणवत्ता का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निरीक्षण के दौरान चिन्हित पॉइंट में स्लोप उचित रूप से ठीक करें। उन्होंने कहा कि डीपीआर में जो अनुमोदन हैं वही कार्य स्पॉट पर करना सुनिश्चित कराएं।

सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत करने के लिए नहीं लगाई पेटी

डिंडोरी। प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए मप्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव सचीन्द्र राव ने 16 दिसंबर 2011 के संदर्भित पत्र पर दिनांक 29 नवंबर 2024 को भ्रष्टाचार की शिकायत के लिए सभी विभागों में भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत पेटी लगाने के लिए सभी जिलों के कलेक्टर को आदेशित किया गया था। इस पर तत्कालीन कलेक्टर ने इस निर्देश का पालन भी किया। इसके बाद पिछले 6 सालों में नगर का कोई भी कार्यालय मप्र शासन के इस आदेश को नहीं मान रहा है। नगर मुख्यालय पर संचालित दो विभागों में पूर्व में भ्रष्टाचार शिकायत संबंधी पेटी लगाई थी। उन्होंने भी अब यह पेटी निकालकर रख दी है। इधर वास्तविकता यह है कि आज भी कार्यालयों में बिना पैसे दिए कोई भी कार्य समय पर नहीं हो रहा है। जिस तारतम्य में ज़िले के अधिवक्ता सम्यक जैन ने प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिख कर ज़िला कलेक्टर को समस्त कार्यालय में शिकायत पेटी लगाने निर्देश देने की माँग की है । वही तत्कालीन कलेक्टर बी चंद्रशेखर बोरकर ने इस पर अमल करते हुए सभी कार्यालयों में शिकायत पेटियां लगवाई थीं। कलेक्ट्रेट के सामने नोटिस बोर्ड पर टेलीफोन नंबर भी जारी किया गया था।

यह थे शासन के निर्देश

सामान्य प्रशासन द्वारा जारी 24 दिसंबर 2011 को पत्र लिखकर जिले के सभी शासकीय विभागों को शिकायत पेटी अपने कार्यालय में लगाने के आवश्यक निर्देश दिए थे। इसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि प्रत्येक कार्यालय में बाहर, सुरक्षित एवं आसानी से दिखाई देने वाले स्थान पर शिकायत पेटी लगाई जाए। इसमें सरलता से शिकायत डाली जा सके।

क्या होना था प्राप्त शिकायतों का

प्राधिकृत अधिकारी को प्रतिदिन सुबह 11.30 बजे शिकायत पेटी खोलकर प्राप्त शिकायतों को पंजीबद्ध कर संबंधित विभाग के कार्यालय को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजनी थी। प्राप्त शिकायतों को प्रारूप अनुसार पंजीकृत किया जाना था। इसके अलावा एक सप्ताह में प्राप्त शिकायतों का प्रतिवेदन तैयार कर कार्यालय प्रमुख उच्च अधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे तथा समस्त शिकायतों का विवरण कार्यालय की बेवसाइट पर प्रदर्शित किए जाने के निर्देश भी पत्र में स्पष्ट रूप से दिए गए थे। यदि शिकायतकर्ता मूल विभाग में शिकायत ना करते हुए अन्य विभाग की शिकायत पेटी में शिकायत डालता है तो उसे कार्यालय प्रमुख पंजीकृत कर मूल विभाग को तत्काल प्रेषित किया जाना था।

विभागों ने नहीं लगाई भ्रष्टाचार संबंधी पेटियां

मुख्यालय अन्तर्गत अधिकतर कार्यालय में शिकायत पेटी नहीं लगाई गई है जो इंगित करता है की विभागों ने तो शासन के इस आदेश का पालन ही नहीं किया। आज भी हितग्राहियों को गरीबी रेखा में नाम जुड़वाने, बीपीएल का कार्ड बनवाने, शासन की योजना का लाभ लेने के लिए विभागों में राशि देनी पड़ रही है।

शासकीय विभागों के बाहर अभी तक नहीं लगी हैं शिकायत पेटी

ग्रामीणों को इस आदेश की जानकारी आज तक नहीं है। उन्हें यह नहीं पता की समस्या होने पर हम अपनी शिकायत किस प्रकार और कहां कर सकते हैं। शायद यहीं कारण है कि नगर मुख्यालय के कलेक्टर कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग, पशु चिकित्सालय विभाग, महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, कृषि विभाग, जनपद पंचायत, नगर पंचायत सहित अधिकांश विभागों ने भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत पेटी नहीं लगाई है।

शासकीय हाई स्कूल चांदपुर में विदाई कार्यक्रम आयोजित

अमरपुर। जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर क्षेत्रांतर्गत शासकीय हाई स्कूल चांदपुर में विदाई समारोह आयोजित कर 10 वीं के छात्र छात्राओं को विदाई दी गई। विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती के पूजन से शुरू किए गए कार्यक्रम में 9 वीं के सभी बच्चों ने मिलकर 10 वीं के छात्र छात्राओं को उपहार देकर विदाई दी गई। आयोजित विदाई समारोह कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य ज्ञान चंद नागेश्वर ने 10 वीं के छात्र छात्राओं को परीक्षा में अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त करने का आर्शीवाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वहीं आयोजित विदाई समारोह कार्यक्रम के अंत में 10 वीं के छात्र छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन 9 वीं के छात्र अजय कुमार हरदहा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक एस साण्डया, एस एस परस्ते, जी आर हरदहा, ए के बछलहा, कुलदीप धुर्वे, अतिथि शिक्षक विजय कुमार बर्मन, चंद्रकिशोर हरदहा, मनोज कुमार गोलिया, कल्पना नागेश सहित विद्यालय समस्त छात्र, छात्राएं मौजूद रहे।

रैली निकालकर किया गया जागरूकता कार्यक्रम

डिंडोरी। कलेक्टर नेहा मारव्या के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्याम सिंगौर के आदेशानुसार बुधवार को सेक्टर गौराकन्हारी के ग्राम दामीतितराहीके कार्यकर्ताओं एवं आमजन के सहयोग से विकासखंड समनापुर अंतर्गत बम्हनी मढ़ई में बाल विवाह रोको अभियान अंतर्गत रैली निकाल कर ग्रामवासियों एवं आम नागरिकों को जागरूक किया गया। बाल विवाह रोको अभियान रैली कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग विकासखंड समनापुर पर्यवेक्षक श्रीमती सोनल सैयाम, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के साथ साथ ग्रामीणजन मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर लगे प्रतिबंध

तेंदूखेड़ा। स्कूलों में वार्षिक परीक्षा आयोजन को लेकर ध्वनि कोलाहल पर पूर्ण प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है।इसे दृष्टिगत रखते हुए शादी विवाह समारोहों अन्य कार्यक्रमों में बजने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्रों से बच्चों को पढ़ाई में व्यवधान ना हो देर रात्रि तक यंत्र ना बजें ध्वनि प्रसारण ना हो। लेकिन तेंदूखेड़ा क्षेत्र में इन गतिविधियों पर पूर्ण विराम नहीं लग पा रहा है। छात्रों ने तत्काल प्रभाव से इन गतिविधियों पर विराम लगाने की मांग की है।

फांसी के फंदे पर झूली शिक्षिका हुई मौत

गोटेगांव। स्थानीय नगर के कामथ वार्ड में प्रदीप जैन के मकान मे किराए से रह रही शिक्षिका फांसी पर झूल गई जिस उसकी मौत हो गई। शिक्षिका का नाम कविता नारनौरे पिता रामचंद्र नारनोरे ग्राम घोटी घुसमारा तहसील लांजी जिला बालाघाट की निवासी थी और वर्ग 3 मे ग्राम रिमझा संकुल भैंस ग्राम में शिक्षिका का के पद पर पदस्थ थी जॉइनिंग के एक माह बीता था और शिक्षिका ने जिस मकान में किराए से रह रही थी उसी में फांसी के फंदे पर झूल गई जिसमें कविता नारनौरे की मौत हो गई। परिवार में लडकी के मामा एवं भाई पहुँच। जहां शव का पोस्टमार्टम कर शव को परिवार जनों को सौंप दिया गया वहीं पुलिस ने मामला कायम कर जांच जुट गई है । वहीं मृतिका के शव को प्राइवेट एंबुलेंस से अपने ग्राम ले जाया गया जहां उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

अल्पकालीन लेखा प्रशिक्षण 21 मार्च तक

नरसिंहपुर। संभाग के समस्त शासकीय कार्यालयों के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिये अल्पकालीन लेखा प्रशिक्षण का आयोजन शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला जबलपुर में 19 फरवरी से 21 मार्च 2025 तक किया जायेगा। प्रशिक्षण में पूर्व में लेखा प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारी भी भाग ले सकते हैं। पेंशन संबंधी प्रशिक्षण 19 फरवरी से 21 फरवरी 2025 तक के लिए 500 रूपये, अंकेक्षण के लिए प्रशिक्षण 24 फरवरी से 28 फरवरी तक के लिए एक हजार रूपये, भंडार प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण 3 मार्च से 7 मार्च 2025 तक के लिए एक हजार रूपये और कैशियर एवं अकाउंटेंट संबंधी कार्य प्रशिक्षण 10 मार्च से 21 मार्च 2025 तक के लिए दो हजार रूपये प्रशिक्षण शुल्क निर्धारित किया गया है। शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाखा जबलपुर प्रभारी प्राचार्य ने संभाग के समस्त कार्यालय प्रमुखों से अपील की है कि वे इस प्रशिक्षण के लिए अपने कार्यालय से कर्मचारियों का नाम प्रस्तावित करें।

मत्स्य किसान समृद्धि योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराना आवश्यक

नरसिंहपुर। सहायक संचालक मत्स्योद्योग नरसिंहपुर ने बताया कि भारत सरकार ने 8 फरवरी 2025 को प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना अनुमोदित की है। इस योजना के तहत मुख्यत उन्नत सेवा प्रदान करने के लिए नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से मछुआरों, मत्स्य पालकों, मत्स्यविक्रेताओं, प्रसंस्करणकर्ताओं और मत्स्य पालन क्षेत्र से जुड़े अन्य व्यवसायियों का कार्य आधारित पहचान पत्र देकर मत्स्य उद्योग, मत्स्य उत्पादन के असंगठित क्षेत्र को क्रमिक रूप से व्यवस्थित कर संगठित किया जायेगा। संबंधित हितग्राहियों को इस योजना का लाभ लेने के लिए 22 फरवरी तक नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफार्म-एनएफडीपी पोर्टल पर अपना पंजीयन कराना आवश्यक है।

तहसील कार्यालय हुआ जर्जर ,प्रशासन उदासीन

गोटेगांव- स्थानीय नगर का एकमात्र तहसील कार्यालय इन दिनों अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है।जगह जगह से जीर्ण शीर्ण हो चुका यह तहसील कार्यालय ड्यूटी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को किसी अभिशाप से कम नहीं है यहां पर आने वाले हितग्राही और शासकीय कार्य से आने वाले ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।विगत दिवस हमारे संवाददाता ने इस तहसील कार्यालय का दौरा किया तो पाया कि तहसीलदार सहित सभी कर्मचारी इस जर्जर भवन में अपनी सेवाएं देने को मजबूर हैं।

करोड़ों रुपए पानी की तरह बहाये फिर भी नहीं हुई पानी की व्यवस्था

ढिलवार में सरकारी धन की बर्बादी

तेंदूखेड़ा। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग के किनारे पर बसे स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले अमर शहीद डेलनशाह नरवर शाह के ग्राम ढिलवार की पेयजल व्यवस्था स्थानीय स्तर से लेकर ऊपर बैठे आला अधिकारियों तक सभी को विदित है।इस व्यवस्था हेतु करोड़ों रुपए की राशि पानी की तरह बहाई गई लेकिन आज तक समस्या का निराकरण नहीं हो सका है। पहाड़ी की तलहटी में स्थित इस ग्राम में पानी की समस्या कोई आज की समस्या नहीं है। यहां पर जमीनी जल स्तर हजारों फिट नीचे है।जमीनी जल स्तर बढ़ाने की दिशा में यहां पर लगभग 16 एकड़ भूमि पर एक करोड़ से अधिक की राशि से मुख्यमंत्री सरोवर योजना के अंतर्गत तालाब निर्माण स्वीकृत हुआ था लेकिन विभागीय तत्कालीन वरिष्ठ अधिकारियों की लालफीताशाही और महाराष्ट्र की कंपनी जिसने ठेका लिया था उससे ठेका छीन कर अधिकारियों ने अपने ही लोगों को पेटी पर काम दिला दिया था परिणामस्वरूप पहली ही बरसात में तालाब बह गया था और करोड़ रुपए पानी में बह गये। आज तक दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी और ना ही तालाब बचा है।

पी एच ई ने जगह-जगह कराये गड्ढे

इतना ही नहीं पी एच ई विभाग ने पेयजल आपूर्ति को लेकर पूरे गांव और आस पास गढ्ढे.खोदकर करोड़ों रुपए की राशि खर्च कर जगह जगह हेडपंप भी लगाये फिर भी बात नहीं नहीं कुछ समय तक पानी रहने के बाद गर्मी की आहट शुरू होते ही हेंडपंपो से पानी की जगह हवा निकलने लगती है। यहां के वाशिंदे दो किलोमीटर दूर से खेतों के कुओं से पानी खींचकर पानी कुप्पो में साइकिलों या बैलगाड़ियों से लेकर आते हैं वहीं निस्तार करने के साथ मवेशियों को पानी भी पिलाने ले जाते हैं।

वर्तमान में यहां पर मात्र 07 हेंडपंपो से ही पानी निकल रहा है।

तीन चार दिन में मिलता है एक बार पानी

लाखों रुपए खर्च करने के बाद जब बात नहीं बनीं तो जल जीवन मिशन योजना के तहत ढिलवार के बगीचा नामक स्थान लगभग एक किलोमीटर दूर से एक ट्यूब बेल के गड्ढे से विद्युत मोटर से पाइप लाइन द्वारा पानी शहीद स्मारक तक लाया जाता है यहां पर बनी छोटी सी पानी की से पानी पाइप लाइन के द्वारा गांव में भेजा जाता है। लेकिन यह पानी भी तीन दिन में एक बार ही मिल पाता है।वह भी या तो आधा घंटे से भी कम चल पाता है। लोगों को कहना है कि एक साथ एक दिन में सभी को पानी नहीं मिल पाता है। अलग-अलग दिनों में ही पानी मिल रहा है। चूंकि अभी गर्मी शुरु नहीं हुई है जब भीषण गर्मी होगी तब क्या हाल होगा। और भी भयावह स्थिति निर्मित होने की अशंका बनीं हुई है।

इतनी राशि में तो नर्मदा जल आ जाता

सबसे बड़ा सोचनीय विषय तो यहां पर यह बना हुआ है कि पेयजल आपूर्ति को लेकर ढिलवार गांव के लिए अभी तक जितनी राशि खर्च की गई है लगभग इतनी राशि में सीधे करोंदी घाट से नर्मदा जल ढिलवार तक पहुंच जाता और बीच में एक और समस्या ग्रस्त ग्राम जेतपुर में भी पानी की व्यवस्था हो सकती थी।

इनका कहना है

ढिलवार पंचायत में पानी की योजना अभी पुनिरीक्षित है अभी यहां पर पेयजलापूर्ति को लेकर पर्याप्त व्यवस्था की जानी है। विजली की व्यवस्था को लेकर अभी तक हम अपने मुकाम तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। फिलहाल पानी की समस्या तो अभी है लेकिन उसका निराकरण करने के लिए प्रयासरत हैं।

सुनील परते
पर एच ई चांवरपाठा

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत लोगों का कराया जा रहा एक्स- रे

नरसिंहपुर

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 100 दिवसीय निक्षय अभियान को सफल बनाने के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में प्रतिदिन लोगों के सेंपल एकत्रित किये जा रहे हैं। इसके अलावा एक्स- रे भी कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 25 मार्च 2025 तक 100 दिवसीय निक्षय शिविर का आयोजन जिले में किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य है कि टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक गति देने और जन जागरूकता को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में करेली ब्लॉक के अंतर्गत पिपरिया लिंगा में निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। यहां स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व आशा कार्यकर्ताओं ने शिविर के एक दिन पूर्व ग्रामीणों और किसानों को अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचने के लिए प्रेरित किया था। शिविर के दिन यहां लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। स्वास्थ्य कर्मियों ने

लोगों की खकार की जांच की व सेंपल लिये और एक्स-रे भी कराया। स्वास्थ्य विभाग का अमला निचले स्तर पर जाकर जिले के नागरिकों की जांच कर रही है। जिला स्तर से लेकर ग्राम पंचायत स्तर और ब्लॉक स्तर पर बड़े पैमाने में शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसी तरह नरसिंहपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम बचई में स्थित सुगर मिल में निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। यहां कार्यरत मजदूरों की संभावित लक्षणों के आधार पर टीबी की स्क्रीनिंग और एक्स- रे लिये गये।

विश्व शांति हेतु सद्गुरु वेद विद्यापीठ परिसर में 15 दिवसीय महायज्ञ का आयोजन

तेंदूखेड़ा । क्षेत्र के प्रतिष्ठित सतगुरु वेद विद्यापीठ परिसर में 15 दिवसीय विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। विद्या पीठ के संचालक आचार्य पंडित चंद्रकांत चौबे ने हमारे प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए बताया कि इस महायज्ञ में प्रतिदिन 21 वैदिक पंडितों द्वारा लगातार 6 दिवस से महामृत्युंजय मंत्र एवं नावां मंत्रों की आहुति दी जा रही है ।यह महायज्ञ विगत 225 दिन से चल रहा है जिसमें एक करोड़ महामृत्युंजय मंत्र जाप वह एक करोड़ नावां मंत्र जाप हुआ है जिसके पूर्ण फल प्राप्ति हेतु 10 लाख महामृत्युंजय मंत्र आहुति 10 लाख नवन आहुति एवं एक लाख समस्त देवी शक्तियों की आहुतियां दी जा रही है जिससे पूरे विश्व में शांति बनी रहे ।साथ साथ अनेक धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी चल रहे हैं।

फर्जी बिल लगाकर पंचायत की राशि का हो रहा दुरूपयोग

तेंदूखेड़ा। चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत ढिलवार में आर्थिक अनियमिताएं चरम सीमा पर है। यहां पर ग्राम पंचायत सदस्यों और गांव के लोगों को दरकिनार करते हुए ग्राम विकास के लिए आये लाखों रुपए की राशि खर्च तो हो गई है लेकिन गांव में यह राशि देखने को नहीं मिल रही है।इसी विषय से नाराज़ पंचायत सदस्य अब खुलकर सड़कों पर उतरने एक जुट हो रहें हैं।इन सदस्यों का मानना है कि कोई भी निर्माण कार्य विकास बार बार नहीं होता है। और ना ही बार बार राशि मिलती है। यदि मौका मिला है तो उसे पूरी ईमानदारी और गुणवत्ता से पूरा कराया जाये।काफी लंबे समय तक ग्राम पंचायत सरपंच सचिव के ऊपर भरोसा किया लेकिन जब पंचायत को भ्रष्टाचार का चारागाह बनाया जाने लगा तो अब उसके खिलाफ सड़कों पर उतरने तैयार हो रहें हैं।बात ग्राम पंचायत भवन निर्माण से शुरू हुई। रविवार को सदस्यों की आपात बैठक में पंचायत की गतिविधियों की जानकारी मांगी गई तो केवल मौखिक जानकारी और पूर्व में डाले गए प्रस्ताव पारित होने के बाबजूद हवा-हवाई हो जाने की स्थिति में सदस्यों ने खुलकर विरोध जताया और पंचायत में अभी तक हुये कार्यों खर्च राशि का ब्यौरा भी मांगा गया है। पंचायत सदस्यों का कहना है कि पंचायत के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में नालि निर्माण सड़क बाउंड्री वॉल नाला निर्माण टेंकर सुधार और टायररखरीदे जाने के फर्जी बिल लगा दिए जाते हैं। इतना ही नहीं डी एस सी राजमार्ग से कटवाने के लिए केवल फोन पर जानकारी दे दी जाती है। और अब फर्जीवाड़ा सामने आने हेराफेरी कर भ्रष्टाचार छिपाने की दिशा में सचिव सक्रिय हो गये हैं।पानी रोकने के लिए चेक डेम निर्माण के नाम पर लाखों रुपए की राशि निकालने खैल मैदान निर्माण कार्य के नाम पर राशि निकालने की शिकायतें खुलकर की गई है।अब ग्राम पंचायत सदस्य प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग लेकर ग्राम विकास के नाम पर ख़र्च की गई राशि का ब्यौरा लेखा-जोखा मांगने सचिव और सरपंच पति की चल रही मनमानियों के खिलाफ एक जुट हो रहें हैं।

इनका कहना है

आपके द्वारा ढिलवार पंचायत की जो जानकारी दी जा रही है उसकी विधिवत जांच कराई जाएगी साथ ही इंजीनियर को भेजकर निर्माण कार्यों को भी दिखवा लेते हैं यदि कोई लापरवाही सामने आयेगी तो सचिव और सरपंच के ऊपर कार्यवाही की जायेगी रिकवरी भी करायेंगे।

संजीव गोस्वामी
मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चांवरपाठा

दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को तीन माह से नहीं मिला वेतन

सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा

इन दिनों तेंदूखेड़ा नगर परिषद में काम करने वाले दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को पिछले तीन माह से वेतन ना मिलने की स्थिति में कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को सभी कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अधिकारी एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी तेंदूखेड़ा को एक ज्ञापन सौंपकर वेतन भुगतान की मांग की है। कर्मचारियों ने अपनी अपनी समस्याओं को उल्लेखित करते हुए स्पष्ट किया कि उन्हें वेतन ना मिलने की स्थिति में विभिन्न प्रकार की आर्थिक स्थिति से जूझना पड़ रहा है। बच्चों की स्कूल फीस से लेकर जीवकोपार्जन के लिए भी समस्या बढ़ती चली जा रही है। उधार लेकर किसी भी तरह से काम चला रहे हैं। लेकिन अब चौथा माह भी शुरू हो गया है ऐसी स्थिति में मजबूर होकर ज्ञापन सौंपने के लिए विवश हुये है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कर्मचारियों की समस्यायों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ही उचित निराकरण के लिए आश्वस्त किया किया है। गौरतलब रहे कि मंगलवार को तेंदूखेड़ा के सफाई कर्मचारी भी वेतन भुगतान को लेकर नरसिंहपुर जिला मुख्यालय पर पहुंच कलेक्टर की जनसुनवाई में अपनी समस्याओं से अवगत कराया है।

चरनोई भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध हो सख्त कार्यवाही

सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया जाये

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक सोमवार को संपन्न हुई। उन्होंने आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज राजस्व प्रकरणों व उनके निराकरण, राजस्व वसूली, अतिक्रमण, नरवाई में आग लगाने पर हुई कार्यवाही आदि के संबंध में विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में बताया गया कि राजस्व वसूली के तहत जिले में एक अप्रैल 2024 से 16 फरवरी 2025 तक 3 करोड़ 51 लाख 73 हजार रुपये की राजस्व वसूली की जा चुकी है। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि कार्य योजना बनाकर राजस्व वसूली के लक्ष्य को पूरा किया जाये। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में चरनोई भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। राजस्व अमले की जिम्मेदारी है कि सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त रहे। उन्होंने नरवाई जलाने के प्रकरणों में राजस्व अधिकारियों के स्तर से की गई कार्यवाही की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि राजस्व प्रकरणों पर लगातार सुनवाई करें। इसके तहत रिकार्ड सुधार, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, फार्मर रजिस्ट्री, आधार से खसरा लिकिंग, ई-केवायसी आदि बिन्दुओं पर कलेक्टर श्रीमती पटले ने विस्तार से सर्किलवार समीक्षा की। सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरसीएमएस पोर्टल पर प्रकरणों की स्वयं मॉनिटरिंग करें।

बैठक में जिले में फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देश दिये कि जिले में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाये। राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रत्येक किसान को एक विशिष्ट फार्मर आईडी प्रदान की जायेगी।

1008 द्वीप प्रज्जलित कर दी गई श्रद्धाजलि

तेंदूखेड़ा। संत शिरोमणि आचार्य श्री विधासागर जी महाराज के प्रथम समाधि दिवस महोत्सव पर स्थानीय दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में 1008 द्वीप प्रज्जलित कर श्रद्धाजंलि दी। साथ ही प्रात कालीन बेला में आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य मुनि आस्तिक सागर जी मुनि प्रणीत सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में एवं ब्र विजय भैया लखनादौन पं. कमल कुमार शास्त्री के निर्देशन में आचार्य श्री की महामंगलिक पूजन एवं विनयांजलि समर्पित की गयी। मुनिद्वय द्वारा आचार्य श्री के संस्मरणो एवं उनके आशीर्वाद से संचालित जन कल्याणकारी प्रकल्पों पर प्रकाश डाला।

ग्राम पंचायत अतरिया मूलभूत सुविधाओं से वंचित

शांतिधाम का टीन शेड उखड़ा, पेयजल स्टैंड बने शोपीस, नल की टोंटी गायब

गोटेगांव

जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत अतरिया के पंचायत भवन के बाजू में विगत वर्ष 2017-2018 में आंगनबाड़ी भवन महिला बाल विकास विभाग द्वारा स्वीकृत हुआ था जिसका निर्माण कार्य करीब 1 दो वर्ष से बंद पड़ा है। पत्रकारों के द्वारा पहले जब इस खबर को प्रकाशित किया गया था तब संबंधित ग्राम पंचायत तर्क दे रही थी कि इसकी अगली किस्त प्राप्त नहीं हुई है इसलिए निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है,आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चे पंचायत भवन के एक कक्ष में बैठते हैं। वहीं इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी नया भवन बनकर तैयार नहीं हुआ यह क्या कारस्तानी है क्षेत्र में जन चर्चा का विषय बना हुआ है*नलों में पानी की जगह निकलती है हवा*पंचायत भवन के बाजू में आंगनबाड़ी के बच्चों को पानी पीने के लिए नल लगाए गए थे जो मात्र शो पीस बनकर रह गए, उनमें पानी की टोंटी लगाना ही भूल गए मात्र एक नल में पानी की टोंटी लगी है जिसमें पानी के नाम पर सिर्फ हवा निकलती है जो अब जीणशीर्ण अवस्था में है। इसके आसपास गंदगी फैली नजर आती है।*कचरा घर अनुपयोगी साबित हुआ*स्वच्छ भारत अभियान के तहत

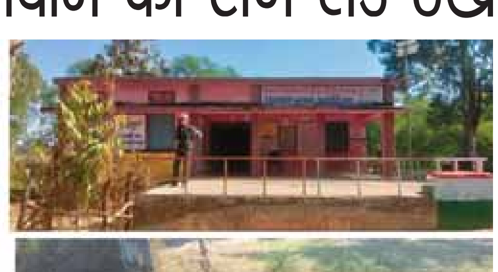

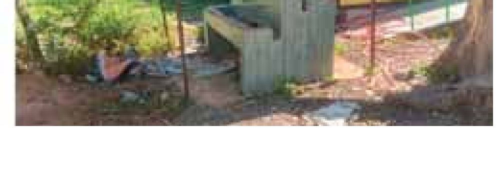

ग्राम पंचायत स्तर पर नाडेप (कचरा घर) का निर्माण किया गया जिससे ग्रामवासी निकलने वाले कचरे को सड़कों पर ना फेंके । गंदगी उत्पन्न ना हो लेकिन इस ग्राम पंचायत का मामला उल्टा है नाडेप का निर्माण ऐसी जगह पर किया गया है जो ग्रामीणों की पहुंच से बाहर है कटीली झाड़ियां से घिरा रहता है जहां पर ग्रामवासी इसमें कचरा नहीं डाल पाते यह पूरी तरह से अनुपयोगी साबित हुआ।ग्राम पंचायत के द्वारा गलत जगह पर निर्माण कर दिया है जिससे शासन का पैसा व्यर्थ चला गया।

ग्राम में स्थित शांतिधाम का टीन शेड उड़ा

शासन के द्वारा ग्राम में शांतिधाम का निर्माण किया गया है उक्त निर्माण कार्य के दौरान जो टीन शेड लगा था मौजूदा समय में उक्त टीन शेड के एक साइड का हिस्सा उड़ चुका है जिससे अंतिम संस्कार के लिए आने वाले ग्राम वासियों को क्रिया कर्म के दौरान बारिश के मौसम में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।शांतिधाम में उचित साफ सफाई ना होने से बड़ी-बड़ी झाड़ियां शांतिधाम की शोभा बढ़ा रही है।वही शांतिधाम के बाजू में विद्युत विभाग का लगा पोल तिरछा हो चुका है जो कभी भी हवा के एक झोंके से धराशाई हो सकता है।ग्राम पंचायत के नागरिकों का कहना है 2,3 वर्ष से आंगनबाड़ी का निर्माणकार्य बंद पड़ा था बडी मुश्किल से काम दोबारा चालू हुआ है परंतु वही ढाक के तीन पात चलकर फिर बंद हो गया।भवन का छप्पर डाल कर इसकी छपाई भी कर दी है। लेकिन बिल्डिंग के अंदर अभी भी रंग रोगन आदि का कार्य बाकी है। ग्राम पंचायत में जहां कचरा घर की जरूरत थी वहां पर कचरा घर नहीं बनाया है और जगह-जगह कचरा के ढेर पड़े हैं जिनमें गंदगी पनप रही है।